Sa. 5. 35. (V. मानव et cf. germ. vet. *mannisco*, nostrum *Mensch.*)

मनोज्ञ (e मनस् cor et ज्ञ noscens) pulcher, suavis, amoenus. Lass. 53. 2.

मनोभव *m.* (in corde natus e मनस् et भव origo) amor. Hit. 64. 10. *V. sq.* et मनसिज, हृच्छय.

मनोभू *m.* (e मनस् et भू existens) amor, deus amoris. P. 17.

मनोरथ *m.* (e मनस् et रथ currus) gaudium, voluptas. In. 5. 4. 35. Bh. 16. 13.

मनोरम (e मनस् et रम exhilarans) cor exhilarans, pulcher, suavis, amoenus. In. 5. 27.

मनोहर (e मनस् et हर capiens, rapiens) cor rapiens, pulcher, suavis, amoenus. In. 5. 18.

मनोहारिन् (e मनस् et हारिन् capiens, rapiens) *i. q. praec.* N. 13. 4.

मन्त्र् 10. *P. A.* (गुप्तभाषणे *K.* गुप्तोक्तौ *V.*, ut videtur, Denom. a sq.) 1) dicere, loqui, *in recentiore linguâ*. Ur. 50. 1. *infr.*: ना ऽस्ति मे वाचाविभवो ऽतो ऽपरम् मन्त्रयितुम्. *Praesertim* secreto, in occulto loqui, *inde* consulere, deliberare; *c. instr. pers. et acc. rei.* Hit. 64. 6.: स गोपः स्ववधून् दूत्या सह मन्त्रयन्तीम् अपश्यत्; R. Schl. I. 34. 36.: तासाम् प्रदानम् … मन्त्रयामास मन्त्रिभिः; Man. 7. 146.: मन्त्रयेत् सह मन्त्रिभिः; Mah. 3. 290.: मन्त्रयध्वं हितम् मम. *Cum acc. pers.* Mah. 1. 8074.: मन्त्रयामासुर् अन्याश्च रहस्यानि परस्परम्. (Goth. *mathlja* loquor.)

c. अनु 1) benedicere, laeta precari, sacrare, consecrare. A. 9. 14.: गाण्डीवम् अनुमन्त्र्य; 3. 26.: शरैः … अनुमन्त्रितैः. 2) valedicere, dimittere. Mah. 3. 39.: तथा ऽनुमन्त्रितास् तेन धर्मराजेन ताः प्रजाः.

c. अभि *id.* sgf. 1. Dr. 8. 54.: शरैर् अस्त्राभिमन्त्रितैः; Mah. 1. 8248.: अस्त्रम् अभिमन्त्र्य.

c. आ 1) alloqui. R. Schl. I. 1. 8.: श्रूयताम् इति चा ऽऽमन्त्र्य ऽब्रवीत्. 2) salutare. N. 6. 5.: देवान् आमन्त्र्य तान् सर्वान् उवाचे ऽदं वचः. *Praesertim* valedicere. In. 1. 24.: गच्छाम्य् आमन्त्रयित्वा त्वाम्; N. 8. 24. 26. 1. Sa. 4. 22. 3) advocare, invitare. Mah. 2. 1244.: आमन्त्रयध्वं राष्ट्रेषु ब्राह्मणान् भूमिपान् अथ.

c. आ praef. सम् alloqui, compellare. Mah. 2. 42.: तं समामन्त्र्य निवर्तस्वे ऽति.

c. उप 1) alloqui, compellare. Mah. 4. 531.: तेनो ऽपमन्त्र्यमाणायाः … हृदयम् मे विदीर्यते. 2) invitare. Ram. I. 46. 12.: तवो ऽपमन्त्रिताः सर्वे मुनयो ऽस्माभिर् आज्ञया.

c. नि advocare, invitare. R. Schl. I. 12. 18.: निमन्त्रयस्व नृपतीन्.

c. नि praef. सम् *id.* N. 2. 9.: स सन्निमन्त्रयामास महीपालान्.

c. परि i. q. मन्त्र् praef. अनु sgf. 1. A. 7. 18.: ब्रह्मास्त्रपरिमन्त्रितैः … शायकैः.

c. सम् 1) deliberare, consulere. R. Schl. I. 8. 3.: मन्त्रिभिः सह सम्मन्त्र्य. 2) salutare. Mah. 1. 5454.: पूर्वम् एव सम्मन्त्र्य द्रोणम् अब्रवीत्.

मन्त्र *m.* (r. मन् s. त्र) 1) consilium. Br. 1. 26. 2) hymnus, carmen sacrum, *vel* precum formula. Bh. 9. 16. (V. मन्त्र् et cf. zend. 𐬨𐬀𐬧𐬚𐬭𐬀 *manthra* sermo, goth. *mathlei* id.; *munths*, them. *muntha*, os.)

मन्त्रिन् *m.* (a praec. s. इन्) consiliarius. N. 7. 11.

मन्थ् 9. *P. interdum A.* मथ्नामि (v. gr. 387.), *Pass.* मथ्ये, *part. praet. pass.* मथित (gr. 615.); *etiam* मथ् *et* मन्थ् 1. *P.* Commovere, agitare, perturbare, disturbare, diruere. Ram. I. 36. 18.: क्षीरोदसागरं सर्वे मथ्नीमः; R. Schl. I. 45. 19.: मन्थानम् मन्दरङ् कृत्वा ममन्थुः; Mah. 1. 1111.: मथ्नध्वम् उदधिम्; 3330.: वाग् उग्राम् महाघोराम् … मम मथ्नाति हृदयम्; 6555.: माम् मथ्नाती ऽव मन्मथः; Br. 1. 5.: मथ्यमाने ऽव दुःखेन; Su. 2. 18.: मथितैर् आश्रमैः. (Cf. मान्थ्, मिथ्, मुन्थ्, व्यथ्, पथ्, पन्थ्, पुथ्, पुन्थ्; goth. *withô* commoveo, agito; hib. *meadar* «a churn, a milk pail», *muidhe* id.)

c. आ *i. q. simpl.* R. Schl. II. 26. 2.: हृदयान्य् आममन्थे ऽव जनस्य.

c. उत् उन्मन्थ्, उन्मथ् (v. euphon. r. 58.) 1) *i. q. simpl.*